SMT. LAJWANTI

Smt. Lajwanti, is a distinguished Handloom artist from Patiala who has been promoting Phulkari embroidery for over four decades.

2. Born on 13th April, 1953, in a poor family in a remote village in Punjab, Patiala, Smt. Lajwanti had inclination towards her work from her childhood days. She started her own production unit in which more than 400 people has been imparted training under the Guru Shishya Parampara Scheme with the support of the Government and on her own initiative.

3. Smt. Lajwanti has not only revalorized in the field of handicraft handloom works in the country but also successfully trained the young talents of the state in this field, during last three decades. She excelled quickly in her profession. Her work has been highly appreciated by the honorary persons of the country. Her skills and works have been highlighted by various newspapers and media. She upholds the tradition both at national and international levels. She has given the platform to more than 200 people who were illiterate, now they are independent. She has also promoted Punjabi culture globally.

4. Smt. Lajwanti is the recipient of numerous awards and honours including National Award in 1994; National Merit Certificate in 1993; MSME Award; Khadi Promotion Awards in 2019; India SME Forum Award in 2020. She received many participation certificates in Taj Mohatsav, Agra and from Delhi Tourism. She also got many participation certificates by displaying her work in international market. She has got many training appreciation certificates in different schools, colleges like NIFT, Mumbai. She has also received honours from Craft Council of India [SUI DHAGA] in 2005 and by Silk Mark Organization of India in 2017.

श्रीमती लाजवन्ती

श्रीमती लाजवन्ती पटियाला की एक प्रतिष्ठित हथकरघा कलाकार हैं। वह चार दशक से फुलकारी कढ़ाई को प्रोत्साहन दे रही हैं ।

2. 13 अप्रैल, 1953 को पंजाब के पटियाला के एक सुदूर गांव के एक गरीब परिवार में जन्मी श्रीमती लाजवन्ती को बचपन से ही अपने काम में दिलचस्पी थी। उन्होंने अपनी उत्पादन इकाई शुरू की जिसमें सरकार के सहयोग और उनकी अपनी पहल पर गुरु शिष्य परंपरा योजना के तहत 400 से अधिक लोगों को प्रशिक्षण दिया गया है ।

3. श्रीमती लाजवन्ती ने पिछले तीन दशक के दौरान देश में हस्तशिल्प के क्षेत्र में न केवल मूल्य संवर्धन किया है बल्कि इस क्षेत्र में राज्य की युवा प्रतिभाओं को सफल प्रशिक्षण प्रदान किया है। बहुत जल्द उन्होंने अपने काम में उत्कृष्टता हासिल कर ली। उनके काम को देश के प्रतिष्ठित लोगों ने काफी सराहा है। उनके हुनर और कृतियों को विभिन्न समाचार पत्रों और मीडिया द्वारा प्रमुखता दी गई है। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तर पर परम्परा को कायम रखा है। उन्होंने 200 से अधिक निरक्षर लोगों को मंच प्रदान किया है, और अब वे अपने पैरों पर खड़े हैं। उन्होंने विश्व स्तर पर पंजाबी संस्कृति को भी बढ़ावा दिया है ।

4. श्रीमती लाजवन्ती को अनेक पुरस्कार और सम्मान प्रदान किए गए हैं जिनमें 1994 में राष्ट्रीय पुरस्कार; 1993 में राष्ट्रीय योग्यता प्रमाण पत्र; 2019 में एमएसएमई पुरस्कार; खादी प्रोत्साहन पुरस्कार; 2020 में इंडिया एसएमई फोरम अवार्ड शामिल हैं। उन्हें ताज महोत्सव, आगरा और दिल्ली पर्यटन से भी कई भागीदारी प्रमाण पत्र प्राप्त हुए। उन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी कृतियों को प्रदर्शित करने के लिए कई भागीदारी प्रमाण पत्र प्राप्त हुए। उन्हें विभिन्न स्कूलों और निफ्ट, मुंबई जैसे कॉलेजों में कई प्रशिक्षण प्रशंसा प्रमाण पत्र मिले हैं। उन्हें 2005 में क्राफ्ट काउंसिल ऑफ इंडिया (सुई धागा) से और 2017 में भारत के सिल्क मार्क ऑर्गनाइजेशन द्वारा भी सम्मानित किया गया है।